प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

नेशनल एग्री–स्टार्टअप्स कान्कलेव (एनएएससी) 2023 का आयोजन

पन्तनगर। 07 अक्टूबर 2023। विश्वविद्यालय में आईडीपी नाहेप एवं उनकी टीम द्वारा युवाओं की सोच को प्रेरित करके नवाचार को बढ़ावा देने हेतु आज नेशनल एग्री–स्टार्टअप्स कान्कलेव (एनएएससी) 2023 का आयोजन किया गया। कान्कलेव में मुख्य अतिथि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उपमहानिदेशक (शिक्षा) तथा राष्ट्रीय समन्वयक आईडीपी नाहेप डा. आर.सी. अग्रवाल के साथ निदेशक, इण्डो–डच हॉर्टिकल्चर टेक्नोलॉजी प्रा. लि., चाफी, भीमताल श्री सुधीर चड्ढा उपस्थित थे। कान्कलेव की अध्यक्षता कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान द्वारा की गयी। इस अवसर पर लगभग 40 से अधिक स्टार्टअप्स उद्यमियों के साथ आईडीपी नाहेप की टीम, विश्वविद्यालय के कुलसचिव, अधिष्ठाता, निदेशकगण, वैज्ञानिक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

कान्कलेव में मुख्य अतिथि डा. आर.सी. अग्रवाल ने कहा कि हमारे देश के युवा अच्छी सोच एवं तकनीक रखते हैं परन्तु उनको कुशल नेतृत्व नहीं मिल पाने से उनका ठीक प्रकार से उपयोग नहीं हो पाता है जबकि अन्य देशों की तरफ हमारे युवा आकर्षित होते है और अपने देश को छोड़कर वहां कार्य करने चले जाते है। उन्होंने कहा कि युवाओं को चाहिए कि वे अपने देश के प्रति सोच रखकर स्टार्टअप शुरू करना चाहिए जिससे दूसरों को भी रोजगार मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि आज का समय आर्टिफिशियल इन्टेलिजेंस (ए.आई.) टेक्नोलॉजी का है। आज इस कान्कलेव में आये हुए स्टार्टअप्स उद्यमियों से विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को लाभ उठाना चाहिए। विद्यार्थियों को इनसे प्रशिक्षण भी लेने की आवश्यकता है। विश्व बैंक द्वारा वित्त पोषित परियोजनाओं में नाहेप परियोजना को उनकी उपलब्धियों के कारण सर्वोत्तम परियोजना के रूप में चिन्हित किया।

कुलपति डा. चौहान ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि इस कॉन्कलेव में आये हुए स्टार्टअप्स उद्यमियों में से 40 प्रतिशत युवा इस विश्वविद्यालय के एल्युमिनाई है। उन्होंने कहा कि युवा सोच को प्रेरित करने से 10 प्रतिशत युवा अपने आप ही उसके प्रति प्रेरित होते है। युवाओं को यह ध्यान रखना चाहिए कि उन्हें प्रदाता बनाना है या नौकरी वाला। युवाओं को नवाचार, स्वचालन, विपणन एवं आमदनी इन चार बातों का ध्यान रखना चाहिए। युवाओं को हर एक क्षेत्र में परांगत होना चाहिए जिससे किसी भी कार्य क्षेत्र में आसानी से उस कार्य को कर सके। युवाओं को आज के समय के अनुरूप अपनी सोच में बदलाव करने की आवश्यकता है जिससे उनके द्वारा उत्पन्न की गयी नयी तकनीकों के उपयोग से किसानों/स्टेकहॉल्डर को लाभ मिल सके।

श्री सुधीर चड्ढा ने बताया कि भारत की अर्थव्यवस्था में कृषि एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। विभिन्न प्रकार की तकनीकों से युवा उद्यमी बन सकते है। कृषि क्षेत्र में जीन की भूमिका बढ़ी है। उन्होंने कहा कि शोध का क्षेत्र असीमित है। इसके लिए एग्रीकल्चर स्टार्टअप्स पर लगातार ध्यान देने, निवेश, व्यापक जागरूकता और निरंतर प्रचार की आवश्यकता है। उन्होंने युवा विद्यार्थियों से अपील की कि वे ट्रैक्टर बने, टैलर नहीं। उन्होंने विश्व के कई देशों में फूल एवं फल पर किये गये नवाचारों के द्वारा हुई उपलब्धियों के बारे में बताया तथा अपने देश में इस प्रकार की सम्भावनाएं विद्य मान है जिससे कि युवाओं द्वारा लाभ उठाया जा सकता है।

कान्कलेव के प्रारम्भ में अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय एवं परियोजना अधिकारी, आईडीपी नाहेप डा. एस.के. कश्यप द्वारा सभी का स्वागत करते हुए कान्कलेव की रूप–रेखा बतायी तथा कान्कलेव में आए हुए स्टार्टअप से जुड़े उद्यमियों के बारे में भी विस्तार से बताया। कान्कलेव में आए स्टार्टअप्स उद्यमियों को अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया तथा विश्वविद्यालय कुलपति एवं अतिथियों ने उद्यमियों से चर्चा की। कान्कलेव के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डा. एस.के. गुरू ने किया।

कान्कलेव में संबोधित करते मुख्य अतिथि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उपमहानिदेशक (शिक्षा) तथा राष्ट्रीय समन्वयक आईडीपी नाहेप डा. आर.सी. अग्रवाल।

कान्कलेव में संबोधित करते कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान।

निदेशक संचार